27.11.19	पत्रावली पेश हुई। अभिभाषक अपीलांट को कई बार-बार आवाज दिलाई गई कोई उप० नहीं। सांय के 5 बज चुके है अतः पत्रावली अदम तामील व अदम तकमील में खारिज की जाती है पत्रावली फैसल सुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। नम्बर से कम हो। आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।	